मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–005

ज्योतिष में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.–005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. वेदाङ्ग ज्योतिष के विषयों को स्पष्ट करते हुए आचार्य लगध के योगदान की विवेचना कीजिए।

2. ज्योतिष के क्षेत्र में आर्यभट्ट के किन्हीं **दो** योगदानों की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

3. भारतीय ज्योतिष में भास्कराचार्य (द्वितीय) के अवदान की समीक्षा कीजिए।

4. केशवाचार्य का परिचय देते हुए उनके कर्तृत्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. कमलाकर भट्ट की जीवनी एवं उनके कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

6. महाराजा सवाई जयसिंह के ज्योतिष क्षेत्र सम्बन्धी योगदान का विस्तृत निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. 'ग्रहलाघव' ग्रन्थ की विषय-वस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. सिद्धान्त ज्योतिष के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. 'बृहत्संहिता' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. आचार्य लल्ल के कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'मकरन्द सारिणी' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

6. 'सिद्धान्ततत्वविवेक' ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. ज्योतिष के क्षेत्र में गंगाधर मिश्र के योगदान का उल्लेख कीजिए।

8. 'गोलीय त्रिकोणमिति' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

× × × × ×